भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्‍कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

**राज्‍य सभा**

तारांकित प्रश्‍न संख्‍या: 97

उत्‍तर देने की तारीख: 09.03.2017

**केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं में लंबा प्रश्न-पत्र**

\*97. श्री आर॰ वैद्यलिंगमः

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की बारहवीं कक्षा के छात्रों को परीक्षा में अनिवार्य रूप से एक अथवा दो बहुत लंबे और कठिन प्रश्नों को हल करना पड़ता है और इसके परिणामस्वरूप परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने के भय से छात्रों द्वारा जानलेवा कोशिशें की जाती हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) प्रश्न पत्र तैयार करने वालों द्वारा प्रश्न-पत्रों की लंबाई का आकलन करने के लिए क्या प्रक्रिया अपनाई जाती है;

(घ) क्या प्रश्न-पत्रों को अंतिम रूप देते समय उसे हल करने में लगने वाले वास्तविक समय का ध्यान रखा जाता है; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा इस संबंध में क्या-क्या कदम उठाए गए हैं?

**उत्तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्री**

**(श्री प्रकाश जावडेकर)**

(क) से (ड.) : एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

**\*\*\*\*\***

**“केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं में लंबा प्रश्न-पत्र’’ के संबंध में माननीय संसद सदस्‍य श्री आर॰ वैद्यलिंगम द्वारा दिनांक 09.03.2017 को पूछे जाने वाले राज्‍य सभा तारांकित प्रश्‍न संख्‍या 97 के भाग (क) से (ड.) के उत्‍तर में उल्लिखित विवरण**

(क) से (ड.) : कक्षा 12 के लिए सीबीएसई के बोर्ड परीक्षा प्रश्‍न-पत्र पूर्ण रूप से बोर्ड द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में दिए गए प्रश्‍न-पत्र के डिजाइन और विशेषज्ञों की राय पर आधारित होते हैं, जो परीक्षा के लिए निर्धारित समय के अंदर करने संभव होते हैं। कुछ लोकप्रिय विषयों के पाठ्यक्रम कठिन, औसत और आसान प्रश्‍नों के प्रतिशत को भी निरूपित करते हैं। बोर्ड प्रत्‍येक वर्ष नवंबर अंत में नमूना प्रश्‍न-पत्र भी तैयार करता है और ये जनसूचनार्थ उपलब्‍ध होते हैं जो विद्यार्थियों को मुख्‍य परीक्षा की प्रकृति और उसका पैटर्न समझने का अच्‍छा अवसर प्रदान करते हैं।

प्रश्‍न-पत्र के निर्धारित पाठ्यक्रम और डिजाइन के अनुसार, प्रश्‍न-पत्र तैयार करने वालों द्वारा प्रश्‍न-पत्र इस दृष्टिकोण से सैट किए जाते हैं कि कुशाग्र बुद्धि वाले विद्यार्थी और औसत विद्यार्थी अच्‍छे अंक प्राप्‍त कर सकें। विशेषज्ञ द्वारा बनाए गए प्रश्‍न-पत्र अन्‍य अनुभवी विशेषज्ञ द्वारा संयत कर दिए जाते हैं जो प्रश्‍न-पत्रों से भली-भांति परिचित होता है और इस बात की जांच करता है कि क्‍या प्रश्‍न-पत्र निर्धारित समय में किया जा सकता है। प्रश्‍न-पत्रों को संयत बनाने और उनका पुनरीक्षण करने के बाद उन्‍हें अंतिम रूप दिया जाता है। परीक्षा के बाद भी, बोर्ड प्रश्‍न-पत्रों पर चर्चा करने के लिए विशेषज्ञों के बड़े समूह की बैठक बुलाता है। विशेषज्ञों की टिप्‍पणियों के आधार पर और स्‍टेकहोल्‍डरों के फीडबैक पर विचार करने के बाद विषय विशेषज्ञ संपूर्ण क्षेत्र में विद्यार्थियों की उत्‍तर पुस्तिकाओं का मूल्‍यांकन करने के लिए अंक देने की मानक योजना तैयार करते हैं।

\*\*\*\*\*